मैथिली (प्रतिष्ठा) बसंत कुमार

बी० ए० पार्ट - II अतिथि शिक्षक

पेपर - III दिनांक- [illegible] 12.04.2

दिनांक 11.07.20 क शेष

प्रकरण - वर्णरत्नाकर

1. ग्रंथक विषय ओ स्वरूप :-

मिथिलाक इतिहासमे ज्योतिरीश्वरक कालकेँ स्वर्णयुग कहल गेल अछि। एहि समयमे मिथिलाक सैन्य शक्ति, आर्थिक समृद्धि, संस्कृतिक उल्लास, विद्याक विलास, आ ओर अखंड स्वतन्त्रता, सभ विषयमे मिथिला भारतक मानचित्रमे उत्कृष्ट स्थान पओने छल। एहि कालमे नव्य न्यायक प्रवर्तक उदयन, गंगेश, वर्द्धमान, छलाह। धर्मशास्त्रमे — स्मृतिकल्पतरु (लक्ष्मीधरक) स्मृतिसार (श्रीदत्तक आचारादर्श) स्मृतिरत्नाकर (चण्डेश्वर ठाकुर) एहि कालमे लिखल गेल अछि। मीमांसामे सेहो विद्वान छलाह। सभसँ बेसी बात मातृभाषा मैथिलीमे सेहो वर्णरत्नाकर सन ग्रंथ लिखल गेल। बीचमे-बीचमे मुसलमानक आक्रमण त' होइत छल, किन्तु ताहिसँ